दैनिक भारत कि तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

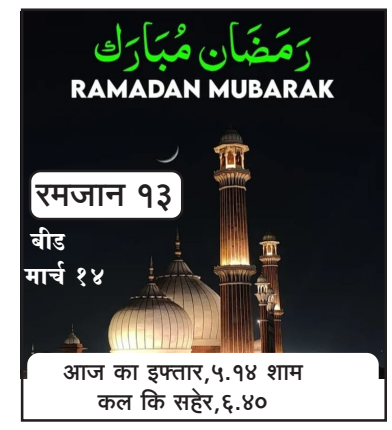

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२२१ वा | शुक्रवार १४ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

महाराष्ट्र में १९ मार्च को राज्यव्यापी अनशन

किसान आत्महत्याओं को रोकने के उपायों की मांग

संभाजीनगर -(औरंगाबाद)

महाराष्ट्र में १९ मार्च को लाखों किसान और किसान पुत्र राज्यव्यापी अनशन करेंगे। यह अनशन उन सभी किसानों के प्रति एकजुटता प्रकट करने के लिए होगा, जिन्होंने आत्महत्या की है। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सामूहिक उपवास कार्यक्रम और समर्थन सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

कृषि पर निर्भरता घटी, आत्महत्याएं बरकरार

राज्य में कृषि पर पूर्ण रूप से निर्भर रहने वाले लोगों की संख्या घटकर १०-१५% रह गई है, जबकि आत्महत्याओं की संख्या उतनी ही बनी हुई है, जितनी तब थी जब ५०-६०% लोग कृषि पर निर्भर थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि जो परिवार पूरी तरह से कृषि पर निर्भर हैं, उनके संकट और अधिक गहरे हो गए हैं।

महाराष्ट्र में हर दिन ७ से ८ किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इसलिए किसानपुत्र आंदोलन के नेता अमर हबीब ने १९ मार्च को किसानों के समर्थन में उपवास करने की अपील की है, ताकि संकटग्रस्त किसानों को राहत मिल सके।

हर परिवार को १८,००० की मदद मिले

अध्ययन में यह सामने आया है कि जिन परिवारों में गैर-कृषि आय के साधन विकसित हो गए हैं, वहां आत्महत्याएं रुकी हैं। इसलिए शेष १०-१५% किसान परिवारों को भी गैर-कृषि आय के अवसर उपलब्ध कराने पर तत्काल विचार किया जाना चाहिए।

सरकार को चाहिए कि वह इन परिवारों को हर महीने १८,००० की वित्तीय सहायता प्रदान करे, जैसा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए सरकारी वेतन आयोग द्वारा अनुशंसित किया गया है। यदि आवश्यक हो, तो अन्य सब्सिडी बंद कर इस योजना को लागू किया जाए, ऐसी मांग अमर हबीब ने की है।

विशेष सत्र बुलाने की मांग

१९ मार्च को महाराष्ट्र में चर्चित साहेब राव करपे परिवार की सामूहिक आत्महत्या को ३९ वर्ष पूरे हो जाएंगे। इन वर्षों में लाखों किसानों ने आत्महत्या की, लेकिन अब तक लोकसभा और विधानसभा में किसानों को श्रद्धांजलि देने तक का प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है।

किसानों के प्रति शासकों की असंवेदनशीलता जगजाहिर हो चुकी है। १९ मार्च को किसान एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए, सभी आत्महत्या करने वाले किसानों को श्रद्धांजलि दी जाए और किसान आत्महत्याएं रोकने के लिए ठोस उपाय किए जाएं, ऐसी मांग अमर हबीब ने की है। उन्होंने इस संबंध में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को पत्र भी भेजा है। ग्राम पंचायतें पारित करें प्रस्ताव

यह कहना मुश्किल है कि लोकसभा और विधानसभा इस विषय को संज्ञान में लेंगी या नहीं। इसलिए गांवों की ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं से अपील की गई है कि वे आत्महत्या करने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने संबंधी प्रस्ताव पारित करें और इसे महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को भेजें।

उमरा गांव में अनशन

१९ मार्च को अमर हबीब और उनके सहयोगी नांदेड जिले के लोहा तालुका स्थित उमरा गांव में उपवास करेंगे।

कुछ साल पहले इस गांव के किसान भीमराव सिरसाट ने तहसील कार्यालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। दोपहर के बाद इस गांव में एकजुटता बैठक का भी आयोजन किया जाएगा, ऐसी जानकारी अमर हबीब ने दी है।

होलिका दहन और धूलंडी के दौरान शांति बनाए रखने के लिए सरकार ठोस कदम उठाए: मौलाना नदीम सिद्दीकी

१४ मार्च २०२५, मुंबई: (संवाददाता)

जमीयत उलमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना नदीम सिद्दीकी ने रमज़ान के पवित्र महीने की अहमियत पर जोर देते हुए मुसलमानों से इबादत में मशगूल रहने और इसकी बरकतों से लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रमज़ान का महीना रहमत, मगफिरत और बरकतों का अवसर होता है, जो इंसान को अपनी ज़िंदगी सुधारने और आत्मा को पाक करने का सुनहरा मौका देता है।

मौलाना नदीम सिद्दीकी ने कहा कि रमज़ान का असली मकसद तक़वा, सब्र और अल्लाह की रज़ा हासिल करना है। इस दौरान मुसलमानों को अपने आमाल (कर्मों) का जायजा लेना चाहिए, इबादत का खास ख्याल रखना चाहिए और अपनी ज़िंदगी को इस्लाम के मुताबिक ढालने की कोशिश करनी चाहिए।

होलिका दहन और धूलंडी पर सतर्कता बरतने की अपील

मौलाना सिद्दीकी ने इस साल रमज़ान के दौरान होली और धूलंडी जैसे त्योहारों के आने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। खासतौर पर होली का त्योहार शुक्रवार को पड़ रहा है, जिससे कुछ संवेदनशील हालात पैदा हो सकते हैं। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे धैर्य और संयम से काम लें और किसी भी उकसावे में न आएं।

उन्होंने कहा कि रमज़ान हमें धैर्य, सहनशीलता और नरमी का संदेश देता है, इसलिए मुसलमानों को इन शिक्षाओं का पालन करते हुए देश में अमन-शांति बनाए रखनी चाहिए।

शरारती तत्वों से सतर्क रहने की जरूरत

मौलाना सिद्दीकी ने आगाह किया कि होलिका दहन और धूलंडी के दौरान कुछ असामाजिक तत्व माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में मुसलमानों को हर हाल में संयम और समझदारी से काम लेना चाहिए। यदि कोई अप्रिय घटना घटती है, तो कानून को हाथ में लेने के बजाय तुरंत प्रशासन और पुलिस को सूचना दें, ताकि स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया जा सके।

सरकार से कड़े सुरक्षा इंतजाम करने की मांग

मौलाना नदीम सिद्दीकी ने महाराष्ट्र सरकार से अपील की कि वह होली और धूलंडी के मौके पर संवेदनशील इलाकों में कड़े सुरक्षा इंतजाम करे ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो। उन्होंने कहा कि अतीत में कुछ मौकों पर असामाजिक तत्वों ने धार्मिक भावनाओं को भड़काकर साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है। ऐसे में सरकार को विशेष सतर्कता बरतने और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करने की जरूरत है।

रमज़ान के पवित्र महीने में अधिक से अधिक इबादत की अपील

अंत में, मौलाना नदीम सिद्दीकी ने जनता से अपील की कि वे रमज़ान के पवित्र महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत करें, कुरान की तिलावत करें, गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें और अपने आचरण को बेहतर बनाएं।

उन्होंने कहा कि रमज़ान हमें कुर्बानी, त्याग और प्रेम का संदेश देता है, इसलिए हमें आपसी भाईचारे और शांति को बढ़ावा देना चाहिए।

छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने वाले दरिंदे को २० साल की कठोर कैद

अदालत ने ११,००० रुपये का जुर्माना भी लगाया

अंबाजोगाई, १३ मार्च (प्रतिनिधि): अंबाजोगाई तालुका में छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी विष्णु बाबुराव सादुळे को अदालत ने २० साल की कठोर कैद और ११,००० रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती एस. जे. घरत ने यह फैसला सुनाते हुए पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत आरोपी को दोषी ठहराया।

घटना का पूरा विवरण

२३ मार्च २०२३ को तालुका के एक गांव में आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर अपने घर बुलाया और दरवाजा बंद कर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घर लौटने के बाद पेट दर्द की शिकायत की और गुमसुम बैठी रही। माता-पिता के बार-बार पूछने पर उसने घटना का खुलासा किया। पुलिस कार्रवाई और चार्जशीट दाखिल घटना के बाद बर्दापुर पुलिस स्टेशन में धारा ३७६, ५०६ आईपीसी और पोक्सो एक्ट की धारा ३, ४(२), ५च्, ६ के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपनिरीक्षक सुचिता शिंगाडे ने जांच पूरी कर चार्जशीट अंबाजोगाई के अपर सत्र न्यायालय में दाखिल की। अदालत का फैसला मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील एड. शिवाजी मुंडे ने ९ गवाहों की गवाही कराई। न्यायालय ने पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों को संज्ञान में लेते हुए आरोपी को दोषी ठहराया। पॉक्सो एक्ट की धारा ६ के तहत २० साल की कठोर कैद और १०,००० रुपये जुर्माना। आईपीसी की धारा ५०६ के तहत १ साल की कैद और १,००० रुपये जुर्माना। कड़ा संदेश इस फैसले से न्याय की उम्मीद रखने वालों को राहत मिली है, और यह समाज के लिए एक सख्त संदेश है कि मासूम बच्चों के साथ जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी।

अतिक्रमण कर बनाए गए 'ग्लास हाउस' को किया गया ध्वस्त

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, भाजपा कार्यकर्ता सतीश भोसले का घर जमींदोज

बीड, १३ मार्च (प्रतिनिधि): भाजपा कार्यकर्ता सतीश भोसले उर्फ खोक्या के घर पर वन विभाग ने बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण करने के कारण की गई। इससे पहले उसके घर का सामान बाहर निकाला गया, फिर बुलडोजर की मदद से पूरी संरचना को जमींदोज कर दिया गया।

शिरूर कासार शहर से कुछ दूरी पर स्थित वन विभाग की जमीन पर यह अवैध निर्माण किया गया था। कार्रवाई के दौरान वन विभाग के अधिकारी और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

फरारी और अतिक्रमण के बाद बड़ी कार्रवाई

गौरतलब है कि सतीश भोसले पिछले २० दिनों से फरार था। कुछ दिन पहले ढाकणे पिता-पुत्र के साथ मारपीट और पैसे उड़ाने के वीडियो वायरल होने के बाद वह चर्चा में आया था। इस दौरान उसके खिलाफ तीन आपराधिक मामले दर्ज हुए थे।

बीते दिन पुलिस ने प्रयागराज से उसे गिरफ्तार किया था, लेकिन उसके बीड पहुंचने से पहले ही वन विभाग ने उसकी संपत्ति पर बुलडोजर चला दिया।

अवैध शिकार और वन्यजीव कानून के उल्लंघन का मामला कुछ दिन पहले वन विभाग ने सतीश भोसले के घर की तलाशी ली थी, जिसमें शिकार से जुड़े उपकरण और जंगली जानवरों का मांस बरामद हुआ था। इसके बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत पहला मामला दर्ज किया गया। नोटिस के बावजूद नहीं किया दावा, घर पर चला बुलडोजर

वन विभाग के अनुसार, गट क्रमांक ५१ की जमीन पर सतीश भोसले ने अवैध रूप से घर बनाया था। इसके खिलाफ वन विभाग ने पहले ही कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी और उसे सात दिन का नोटिस जारी कर मालिकाना हक साबित करने को कहा गया था।

लेकिन सात दिनों में कोई दावा पेश न करने के कारण वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उसका घर जमींदोज कर दिया।

लगातार बढ़ती कानूनी कार्रवाई

पिछले २० दिनों में शिरूर कासार पुलिस थाने में सतीश भोसले पर तीन मामले दर्ज हुए हैं, वहीं वन विभाग ने भी दो केस दर्ज किए हैं। वन विभाग की इस बड़ी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है, और इसे कानूनी प्रक्रिया का सख्त पालन बताया जा रहा है।

पहली से नौवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा के समय सारणी में बदलाव की मांग

बीड, १३ मार्च (प्रतिनिधि): राज्यभर में पहली से नौवीं कक्षा तक की वार्षिक परीक्षा/संकलित मूल्यांकन/झ-ढ परीक्षा ८ अप्रैल से २५ अप्रैल २०२५ के बीच आयोजित की जानी है। इसके परिणाम महाराष्ट्र दिवस (१ मई) को घोषित किए जाने हैं।

मराठवाड़ा शिक्षक संघने सौंपा ज्ञापन

हालांकि, अधिक संख्या वाले विद्यालयों के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की जांच, परिणाम तैयार करने और झ-ढ के अंक ऑनलाइन दर्ज करने में कठिनाई होगी। इसी कारण मराठवाड़ा शिक्षक संघ ने परीक्षा की तिथि में बदलाव की मांग करते हुए सरकार को ज्ञापन सौंपा है।

भीषण गर्मी से बच्चों को होगा नुकसान

शिक्षक संघ ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया कि गर्मी का प्रकोप पहले ही बढ़ रहा है, और अप्रैल में इसकी तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। इससे छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इसके अलावा, परीक्षा में गैर-हाजिर छात्रों के लिए पुनः परीक्षा लेने का निर्देश भी दिया गया है, जिससे विद्यालयों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ जाएगा।

परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव की मांग

मराठवाड़ा शिक्षक संघ ने सरकार से अपील की कि पहली से नौवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा/संकलित मूल्यांकन/झ-ढ परीक्षा की तिथियों में संशोधन किया जाए, ताकि विद्यालयों को उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और परिणाम तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

संघ ने यह भी कहा कि अगर परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया, तो कई विद्यालय १ मई को परिणाम घोषित करने में असमर्थ होंगे।

सपा विधायक और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी का निलंबन रद्द कर झेड प्लस सुरक्षा दी जाए-समाजवादी पार्टी की मांग

मजलगांव (संवाददाता): समाजवादी पार्टी के विधायक और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी के निलंबन को रद्द करने और उन्हें झेड प्लस सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल को पत्र सौंपा है।

समाजवादी पार्टी बीड जिला अध्यक्ष खमरूल इमान के आदेशानुसार, मजलगांव तालुका अध्यक्ष नवीदुद्दीन मुस्ताक सिद्दीकी ने यह पत्र भेजा।

'झूठे आरोपों के आधार पर किया गया निलंबन'

पत्र में उल्लेख किया गया कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अबू आसिम आज़मी को औरंगजेब के महिमामंडन के झूठे आरोपों के चलते असंवैधानिक रूप से निलंबित कर दिया गया। उन पर छत्रपति संभाजी महाराज के अपमान का आरोप लगाया गया, जबकि उनका निलंबन पूरी तरह मनमाने ढंग से किया गया है।

'गरीबों और समाज के हक में उठाते हैं आवाज'

नवीदुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि अबू आसिम आज़मी हमेशा देशहित में और गरीबों की मदद के लिए कार्य करने वाले जनप्रतिनिधि हैं। वे हमेशा सच का साथ देने वाले नेता हैं, इसलिए उन पर लगाए गए आरोप गलत हैं और उनका निलंबन पूरी तरह अनुचित है।

'जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, झेड प्लस सुरक्षा दी जाए'

निवेदन में यह भी कहा गया कि अबू आसिम आज़मी को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाते हुए उन्हें तुरंत झेड प्लस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

समाजवादी पार्टी मजलगांव तालुका अध्यक्ष नवीदुद्दीन सिद्दीकी और अन्य पदाधिकारियों ने सरकार से अबू आसिम आज़मी का निलंबन रद्द करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की तत्काल मांग की है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दीक्षांत समारोह भविष्य की दिशा देने वाला प्रेरणादायी कार्यक्रम-डॉ.संजय सालुंके

केएसके महाविद्यालय, बीड में भव्य दीक्षांत समारोह संपन्न

बीड, १२ मार्च (प्रतिनिधि): भारतीय शिक्षा प्रणाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रही है। प्राचीन काल से ही नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्वभर के विद्वानों को आकर्षित किया। दीक्षांत समारोह केवल प्रमाणपत्र वितरण नहीं, बल्कि छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करने वाला कार्यक्रम होता है, ऐसा प्रतिपादन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान विभाग के अधिष्ठाता डॉ. संजय सालुंके ने किया।

यह कार्यक्रम नवगण शिक्षण संस्था द्वारा संचालित सौ. केशरबाई सोनाजीराव क्षीरसागर (काकू) कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, बीड में आयोजित किया गया।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नवगण शिक्षण संस्थान के सहसचिव डॉ. योगेश क्षीरसागर ने की, जबकि प्रमुख अतिथि के रूप में संस्थान के अध्यक्ष प्रा. किशोर काले, संस्था प्रतिनिधि डॉ. विश्वांभर देशमाने, उपप्राचार्य डॉ. संजय पाटील देवळाणकर, पीजी विभाग प्रमुख डॉ. खान ए. एस., उपप्राचार्य डॉ. नारायण काकडे और पर्यवेक्षक जालिंदर कोळेकर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

नई शिक्षा नीति से छात्रों को नए अवसर

अपने संबोधन में डॉ. सालुंके ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही तकनीकी और विज्ञान शिक्षा दी जाती रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में वास्तुकला की उच्च शिक्षा दी जाती थी।

उन्होंने आगे कहा कि नई शिक्षा नीति २०२० वैश्विक शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने वाली नीति है, जिसमें छात्रों को अपनी रुचि और आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने का अवसर मिल रहा है। यह नीति छोटे व्यवसायों और उद्योगों के अनुकूल शिक्षा प्रदान कर रही है, जिससे ग्रामीण भारत में सामाजिक और आर्थिक रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

दीक्षांत समारोह – छात्रों के लिए सम्मान और प्रेरणा का दिन

समारोह के अध्यक्षीय समापन भाषण में संस्था के सहसचिव डॉ. योगेश क्षीरसागर ने कहा कि यह दिन विद्यार्थियों के लिए सम्मान और प्रेरणा का अवसर है। नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को चुनौती देने की क्षमता विकसित करनी होगी।

उन्होंने सभी डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। डिग्री और पीएचडी उपाधि का वितरण

इस अवसर पर पीएचडी शोधकर्ताओं, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों को सम्मानपूर्वक डिग्री प्रदान की गई।

विशेष उपस्थिति कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवानंद क्षीरसागर, निदेशक डॉ. भागचंद सानप, एनसीसी कैप्टन डॉ. बालासाहेब पोटे, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमुख डॉ. यादव घोडके, छात्र प्रतिनिधि शीतल चव्हाण, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी, सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ इस अवसर पर डॉ. पांडुरंग सुतार और बळीराम राख ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष तळेकर ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पहली सूची में १,५७८ विद्यार्थियों को आरटीई के तहत मिला मुफ्त प्रवेश

बोगस प्रवेश के संबंध में ठोस सबूत, फिर भी शिक्षा विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की-मनोज जाधव

बीड़ (प्रतिनिधि) – शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में २५% आरक्षित सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया के पहले दौर की समय सीमा समाप्त हो गई है। इस प्रक्रिया के तहत सोमवार रात तक जिले में १,५७८ विद्यार्थियों के प्रवेश पक्के हो चुके हैं। अब शेष रिक्त सीटों के लिए प्रतीक्षा सूची के छात्रों को मौका दिया जाएगा। यह जानकारी शिवसंग्राम के युवा नेता व आरटीई कार्यकर्ता मनोज जाधव ने दी।

जिले में २,२३५ सीटों के लिए ५,७८१ आवेदन आए

राज्य के प्राथमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा आरटीई प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है। इस वर्ष जिले में २१४ स्कूलों में कुल २,२३५ सीटें उपलब्ध थीं, जिसके लिए ५,७८१ आवेदनों की प्राप्ति हुई थी। लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से २,१८३ विद्यार्थियों का चयन हुआ, जिसके बाद चयनित विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की गई। हालांकि, अपेक्षित प्रतिक्रिया न मिलने के कारण १० मार्च तक समय सीमा बढ़ाई गई थी। इस अवधि में १,५७८ विद्यार्थियों के प्रवेश पक्के हुए। अब बची हुई सीटों पर प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों को मौका मिलेगा।

बोगस प्रवेश को लेकर ठोस सबूत, फिर भी शिक्षा विभाग की कोई कार्रवाई नहीं – मनोज जाधव आरटीई प्रवेश प्रक्रिया में हो रहे बोगस प्रवेश को लेकर २७ फरवरी को आरटीई कार्यकर्ता मनोज जाधव ने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर २८ फरवरी को शिक्षा अधिकारी ने समूह शिक्षा अधिकारियों को जांच के आदेश दिए। हालांकि, समूह शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने जानबूझकर देरी करते हुए ७ मार्च को तीन सदस्यीय जांच समिति नियुक्त की।

इसके बावजूद, जांच को लेकर शिक्षा विभाग ने अनदेखी जारी रखी, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कितने बोगस प्रवेश रद्द किए गए। मनोज जाधव ने चेतावनी दी है कि यदि शिक्षा विभाग ने कार्रवाई नहीं की तो वह अपने पास मौजूद सबूतों को शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और निदेशक को सौंपेंगे।

बोगस प्रवेश के कारण

फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल: चयनित विद्यार्थियों के कुछ अभिभावकों द्वारा जमा किए गए दस्तावेज स्पष्ट रूप से नकली थे, लेकिन चयन समिति के सदस्यों ने उनकी गहन जांच नहीं की। गूगल मैप लोकेशन की अनदेखी: आरटीई प्रवेश के लिए मुख्य मानक गूगल मैप पर पता सत्यापन था, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। फर्जी आधार कार्ड: बड़े पैमाने पर फर्जी आधार कार्ड जमा किए गए, जिनकी कोई पुष्टि नहीं की गई और सीधे प्रवेश दे दिए गए। पालकों के पते की जांच नहीं हुई: संदेहास्पद कागजात जमा करने वाले पालकों के घरों की जांच से पहले ही बच्चों को प्रवेश दे दिया गया। अब आगे क्या?

शिक्षा विभाग पर बोगस प्रवेश को लेकर लापरवाही के आरोप लगे हैं। यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला शिक्षा मंत्रालय तक पहुंच सकता है।

प्रोफेसर मंज़र हुसैन पब्लिक लाइब्रेरी, क्लियर में पुलिस अधीक्षक अरवल का आगमन

क्लियर, पटना, रांची: अरवल के पुलिस अधीक्षक का प्रोफेसर मंज़र हुसैन पब्लिक लाइब्रेरी में आगमन हुआ, जहां लाइब्रेरी के संरक्षक प्रो. मंज़र हुसैन और निदेशक इंजीनियर अबू उबैदा ग़ज़ाली ने उन्हें शॉल और इत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें मौलाना अब्दुल्ला यूसुफ की तफ़सीर का एक विशेष संस्करण भी भेंट किया गया।

एसपी अरवल ने लगभग ४० मिनट तक लाइब्रेरी में रुककर वहां की विभिन्न महत्वपूर्ण पुस्तकों का अवलोकन किया। लाइब्रेरी के विस्तृत पुस्तक संग्रह को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।

सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध, कोई शुल्क नहीं

गौरतलब है कि इस लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, कुरान की तफ़सीर, हदीस, इस्लामी इतिहास, फ़िक़्ह, वेद, पुराण, उपनिषद, उर्दू और अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, दर्शन, इंजीनियरिंग सहित विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

छात्र-छात्राएं इस लाइब्रेरी का निःशुल्क लाभ उठा सकते हैं।

महाबोधि विहार की मुक्ति के लिए लिंबागणेश में प्रदर्शन

लिंबागणेश, १३ मार्च (वार्ताहर): बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि बौद्ध विहार को बीटीएमसी एक्ट १९४९ से मुक्त करने और इसका संपूर्ण नियंत्रण बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने की मांग को लेकर तीव्र प्रदर्शन किया गया।

यह आंदोलन डॉ. गणेश ढवले के नेतृत्व में गुरुवार (१३ मार्च) को आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों ने भाग लिया।

महाबोधि विहार का संपूर्ण प्रबंधन बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने बिहार सरकार से बीटीएमसी एक्ट १९४९ को तुरंत रद्द करने और बोधगया महाबोधि महाविहार का पूरा प्रशासन बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने की मांग की। उन्होंने कहा कि १९४९ में बिहार राज्य के अंतर्गत लागू किए गए इस कानून के कारण महाबोधि विहार का संपूर्ण नियंत्रण पुजारियों के पास है, जबकि यह बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थस्थल है।

प्रदर्शन में शामिल प्रमुख व्यक्ति

इस आंदोलन में रविंद्र निर्मल और भीमराव जाधव ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके अलावा, सरपंच बालासाहेब जाधव, राजाभाऊ गिरे, बाळकृष्ण थोरात, सुरेश निर्मल, श्रीहरी निर्मल, एड. गणेश वाणी, दादा गायकवाड़, अरुण निर्मल, जितेंद्र निर्मल, उमेश थोरात, दादा थोरात, नितिन थोरात, श्रीकांत आवसरे, नितिन निर्मल, नाना निर्मल, सिद्धार्थ निर्मल, अमोल वक्ते, तुकाराम गायकवाड़, प्रमोद निर्मल, बबन सोनावणे, भालचंद्र गिरे, गणपत तागड, सचिन गिरे सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बौद्ध समाज की एकजुटता का प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बौद्धगया महाबोधि विहार का नियंत्रण बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने और इस संबंध में कानूनी संशोधन करने की तत्काल मांग की।

आनंदऋषीजी हॉस्पिटल बीड में १६ मार्च को ऑर्थोपेडिक जांच एवं जोड़ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

बीड, १३ मार्च (प्रतिनिधि): राष्ट्रसंत आनंदऋषीजी महाराज के आशीर्वाद और संत आदर्श ऋषीजी महाराज के मार्गदर्शन में जैन सोशल फेडरेशन, अहमदनगर द्वारा संचालित आनंदऋषीजी हॉस्पिटल, बीड में ऑर्थोपेडिक जांच एवं जोड़ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर १६ मार्च, रविवार को सुबह ११ बजे से दोपहर २ बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें हड्डी और जोड़ से संबंधित समस्याओं जैसे घुटनों का दर्द, पीठ दर्द, कमर दर्द एवं जोड़ प्रत्यारोपण (गुडघा व कूल्हा) की जांच और शल्यक्रिया की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कम लागत में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा

चिकित्सा सेवाएं महंगी होने के कारण साधारण मरीजों को कम कीमत में इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया है। पंजीकरण के लिए संपर्क करें: ८२६२००९०९१ समय की कमी के कारण पंजीकरण नहीं करा पाने वाले मरीजों की भी जांच की जाएगी। समस्त जैन समाज द्वारा जनता से अपील बीड शहर और आसपास के सभी ऑर्थोपेडिक रोगियों से इस विशेष शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

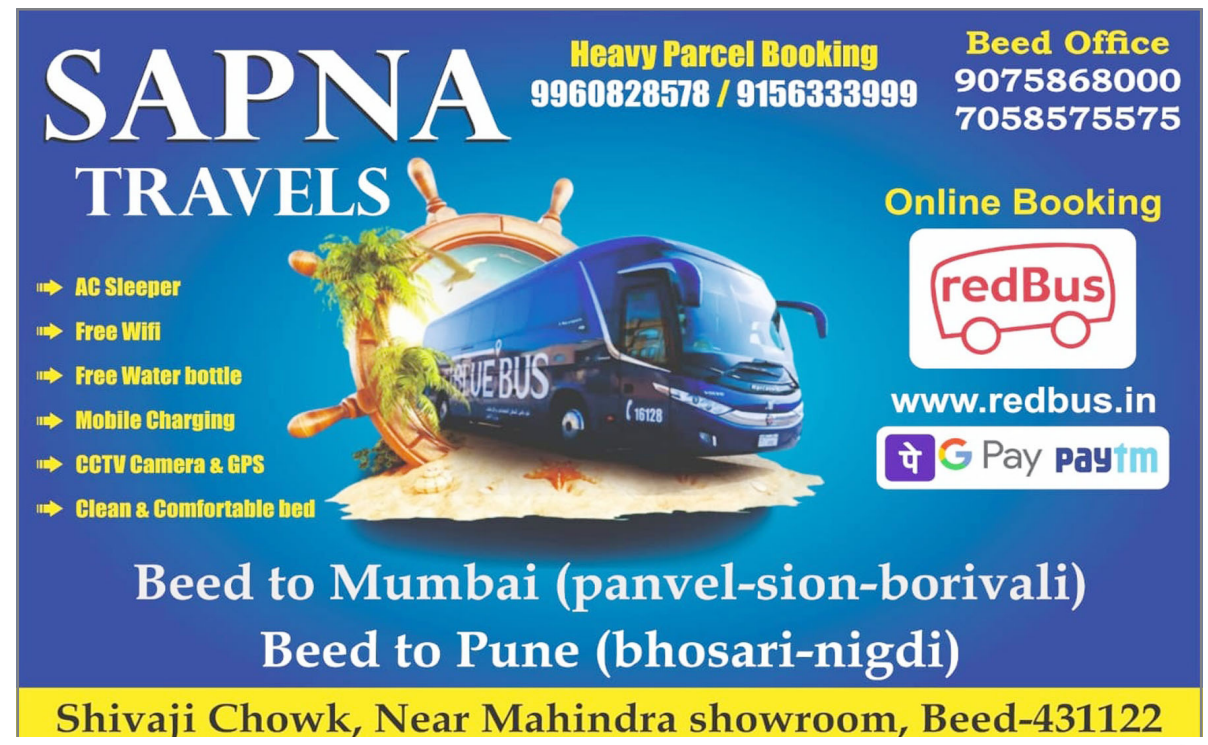

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com